Chapter 7:

Formation of Company

Part 2

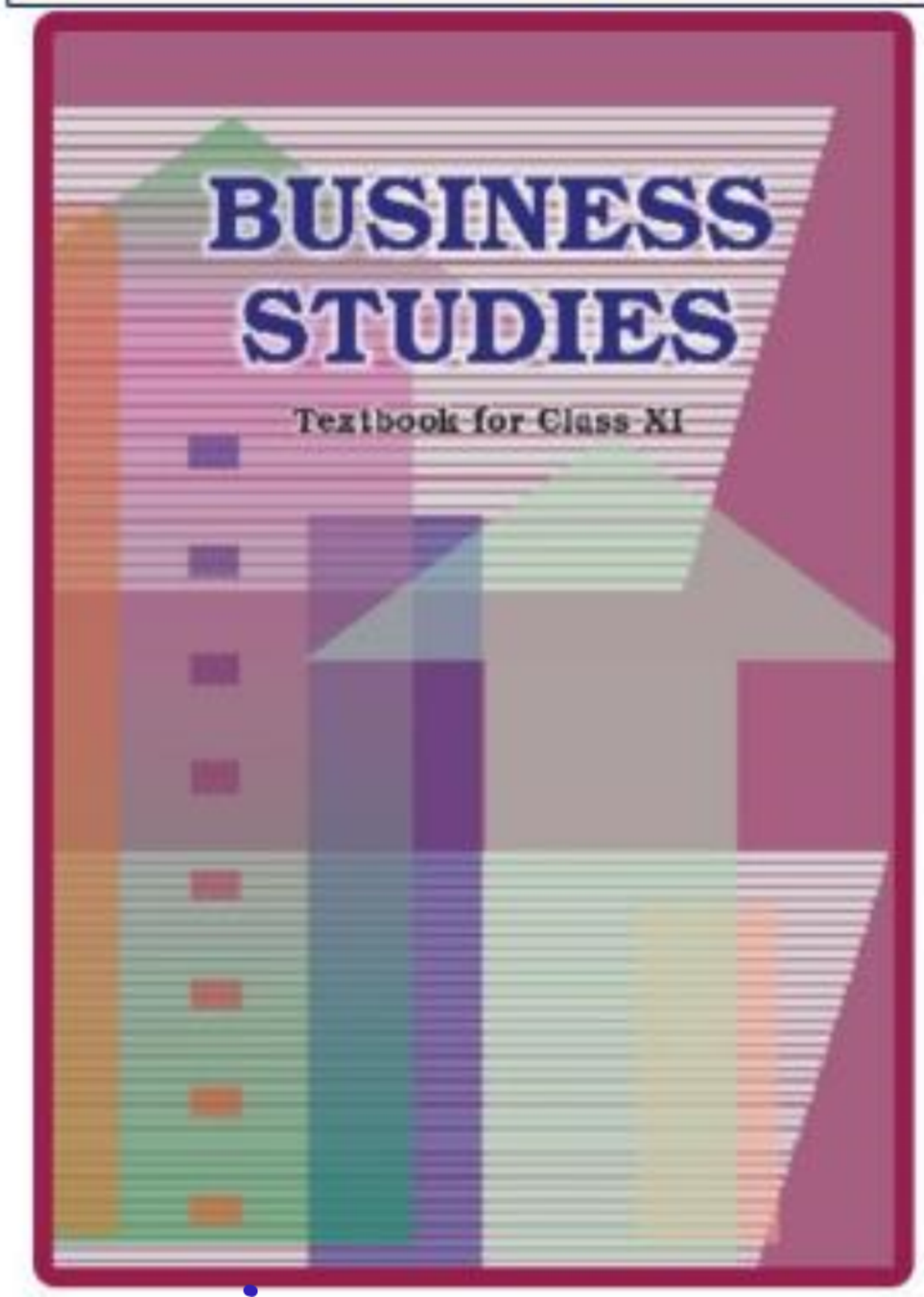

Foundationclasses.live

No company can legally undertake activities that are not contained in its….

1. Memorandum
2. Articles for Association
3. Prospectus
4. Incorporation certificate

कोई भी कंपनी कानूनी तौर पर ऐसी गतिविधियाँ नहीं कर सकती जो उसके... में शामिल न हों।

1. ज्ञापन
2. संस्था के लिए अनुच्छेद
3. विवरणिका
4. निगमन प्रमाणपत्र

Documents Required to be Submitted/प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज़

Memorandum of Association:

It is the most important document as it defines the objectives of the company. No company can legally undertake activities that are not contained in its Memorandum of Association.

As per section 2(56) of The Companies Act, 2013 "memorandum" means the memorandum of association of a company as originally framed or as altered from time to time in pursuance of any previous company law or of this Act.

यह सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है क्योंकि यह कंपनी के उद्देश्यों को परिभाषित करता है। कोई भी कंपनी कानूनी रूप से ऐसी गतिविधियाँ नहीं कर सकती जो उसके संस्था ज्ञापन में शामिल न हों।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(56) के अनुसार, "संस्था ज्ञापन" का अर्थ किसी कंपनी का संस्था ज्ञापन है जो मूल रूप से तैयार किया गया हो या किसी पूर्ववर्ती कंपनी कानून या इस अधिनियम के अनुसरण में समय-समय पर संशोधित किया गया हो।

The Memorandum of Association contains different clauses, which is not given as follows:

I. Liability clause
II. Capital clause
III. Share certificates
IV. Statutory Declaration

1. Only I and ii
2. Only ii and iii
3. Only iii and iv
4. All of the above

एसोसिएशन के ज्ञापन में विभिन्न खंड होते हैं, जो इस प्रकार नहीं दिए गए हैं:

I. देयता खंड
II. पूंजी खंड
III. शेयर प्रमाणपत्र
IV. वैधानिक घोषणा

केवल I और ii
केवल ii और iii
केवल iii और iv
उपर्युक्त सभी

Documents Required to be Submitted

Memorandum of Association clauses:

1. The name clause (already been approved by the Registrar of Companies)
2. Registered office clause (notified to the Registrar within 30 days of incorporation)
3. Objects clause
4. Liability clause: This clause limits the liability of the members to the amount unpaid on the shares owned by them.

A. नाम खंड (कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा पहले ही अनुमोदित)
B. पंजीकृत कार्यालय खंड (निगमन के 30 दिनों के भीतर रजिस्ट्रार को अधिसूचित)
C. उद्देश्य खंड
D. दायित्व खंड: यह खंड सदस्यों के दायित्व को उनके स्वामित्व वाले शेयरों पर बकाया राशि तक सीमित करता है।

- **Capital clause:** This clause specifies the maximum capital which the company will be authorised to raise through the issue of shares. The authorised share capital of the proposed company along with its division into the number of shares having a fixed face value is specified in this clause. **For example**, the authorised share capital of the company may be ` 25 lakhs with divided into 2.5 lakh shares of 10 each.

- **पूंजी खंड:** यह खंड उस अधिकतम पूंजी को निर्दिष्ट करता है जिसे कंपनी शेयर जारी करके जुटाने के लिए अधिकृत होगी। प्रस्तावित कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी और निश्चित अंकित मूल्य वाले शेयरों की संख्या में उसके विभाजन का विवरण इस खंड में दिया गया है। **उदाहरण के लिए**, कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹25 लाख हो सकती है, जिसे ₹10 प्रति शेयर के 2.5 लाख शेयरों में विभाजित किया जा सकता है।

The Memorandum of Association must be signed by:

1. Promotor
2. Members of Company
3. Directors of the company
4. Shareholders of the company

एसोसिएशन के ज्ञापन पर निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए:

1. प्रमोटर
2. कंपनी के सदस्य
3. कंपनी के निदेशक
4. कंपनी के शेयरधारक

Pvt Company → 2 member

Public Company → 7 member

- Members (shareholders) own the company and benefit from its profits, Promoters initiate and organize the company's formation, and Directors manage its day-to-day operations. A Promoter's role is temporary, ending once the company is established, while Directors have ongoing responsibilities and legal duties to the company's management.
- सदस्य (शेयरधारक) कंपनी के मालिक होते हैं और इसके मुनाफे से लाभान्वित होते हैं, प्रमोटर कंपनी के गठन की पहल और आयोजन करते हैं, और निदेशक इसके दिन-प्रतिदिन के कार्यों का प्रबंधन करते हैं। प्रमोटर की भूमिका अस्थायी होती है, जो कंपनी की स्थापना के बाद समाप्त हो जाती है, जबकि निदेशकों के पास कंपनी के प्रबंधन के लिए निरंतर जिम्मेदारियां और कानूनी कर्तव्य होते हैं।

Documents Required to be Submitted

1. Memorandum of Association
2. Articles of Association
3. Consent of Proposed Directors (qualification shares)
4. Agreement (company proposes appointment as its Managing
5. Director or a whole time Director)
6. Statutory Declaration
7. Receipt of Payment of fee:

1. संस्था का ज्ञापन
2. संस्था के अनुच्छेद
3. प्रस्तावित निदेशकों की सहमति (योग्यता शेयर)
4. समझौता (कंपनी अपने प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्ति का प्रस्ताव रखती है)
5. वैधानिक घोषणा
6. शुल्क भुगतान की रसीद

The Articles generally contains the following matters:

1. Exclusion wholly or in part of Table F.
2. Adoption of preliminary contracts.
3. Number and value of shares.
4. Issue of preference shares.
5. Allotment of shares.
6. Calls on shares.
7. Lien on shares.
8. Transfer and transmission of shares.
9. Nomination.
10. Forfeiture of shares.
11. Alteration of capital.
12. Buy back.
13. Share certificates.
14. Dematerialization.
15. Conversion of shares into stock. Incorporation of Companies and Matters Incidental Thereto
16. Voting rights and proxies.

© NCERT not to be republished

17. Meetings and rules regarding committees.
18. Directors, their appointment and delegations of powers.
19. Nominee directors.
20. Issue of Debentures and stocks.
21. Audit committee.
22. Managing director, Whole-time director, Manager, Secretary.
23. Additional directors.
24. Seal.
25. Remuneration of directors.
26. General meetings.
27. Directors meetings.
28. Borrowing powers.
29. Dividends and reserves.
30. Accounts and audit.
31. Winding up.
32. Indemnity.
33. Capitalisation of reserves.

© not to be

Who is personally liable for all the contracts which are entered by them, for the company before its incorporation

1. Promotor
2. Members of Company
3. Directors of the company
4. Shareholders of the company

कंपनी के निगमन से पहले, उनके दवारा किए गए सभी अनुबंधों के लिए व्यक्तिगत रूप से कौन उत्तरदायी है?

1. प्रवर्तक
2. कंपनी के सदस्य
3. कंपनी के निदेशक
4. कंपनी के शेयरधारक

Position of Promoters:

- Promoters undertake various activities to get a company registered and get it to the position of commencement of business. But they are neither the agents nor the trustees of the company. They can't be the agents as the company is yet to be incorporated. Therefore, they are personally liable for all the contracts which are entered by them, for the company before its incorporation, in case the same are not ratified by the company later on. Also promoters are not the trustees of the company.
- प्रवर्तक किसी कंपनी को पंजीकृत कराने और उसे व्यवसाय शुरू करने की स्थिति तक पहुँचाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ करते हैं। लेकिन वे न तो कंपनी के एजेंट होते हैं और न ही ट्रस्टी। वे एजेंट नहीं हो सकते क्योंकि कंपनी अभी निगमित नहीं हुई है। इसलिए, कंपनी के निगमन से पहले उनके द्वारा किए गए सभी अनुबंधों के लिए वे व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होते हैं, यदि बाद में कंपनी द्वारा उनका अनुमोदन नहीं किया जाता है। इसके अलावा, प्रवर्तक कंपनी के ट्रस्टी भी नहीं होते हैं।

- Promoters of a company enjoy a fiduciary position with the company, which they must not misuse. They can make a profit only if it is disclosed but must not make any secret profits. In the event of a non-disclosure, the company can rescind the contract and recover the purchase price paid to the promoters. It can also claim damages for the loss suffered due to the nondisclosure of material information.

- किसी कंपनी के प्रवर्तकों को कंपनी के साथ एक प्रत्ययी स्थिति प्राप्त होती है, जिसका उन्हें दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। वे लाभ तभी कमा सकते हैं जब उसका खुलासा किया जाए, लेकिन उन्हें कोई गुप्त लाभ नहीं कमाना चाहिए। खुलासा न करने की स्थिति में, कंपनी अनुबंध को रद्द कर सकती है और प्रवर्तकों को भुगतान की गई खरीद मूल्य की वसूली कर सकती है। वह महत्वपूर्ण जानकारी के खुलासा न करने के कारण हुए नुकसान के लिए हर्जाना भी मांग सकती है।

- Promoters are not legally entitled to claim the expenses incurred in the promotion of the company. However, the company may choose to reimburse them for the pre-incorporation expenses. The company may also remunerate the promoters for their efforts by paying a lump sum amount or a commission on the purchase price of property purchased through them or on the shares sold. The company may also allot them shares or debentures or give them an option to purchase the securities at a future date.
- प्रमोटर काननी तौर पर कंपनी के प्रचार में हुए खर्च का दावा करने के हकदार नहीं हैं। हालाँकि, कंपनी उन्हें निगमन-पूर्व खर्चों की प्रतिपूर्ति करने का विकल्प चुन सकती है। कंपनी प्रमोटरों को उनके प्रयासों के लिए एकमुश्त राशि या उनके माध्यम से खरीदी गई संपत्ति या बेचे गए शेयरों के क्रय मूल्य पर कमीशन देकर भी पुरस्कृत कर सकती है। कंपनी उन्हें शेयर या डिबेंचर भी आवंटित कर सकती है या उन्हें भविष्य में प्रतिभूतियाँ खरीदने का विकल्प दे सकती है।